Ans. (d) : राजस्थान में प्रतिहार वंश के संस्थापक हरिश्चन्द्र की राजधानी मण्डोर थी। प्रतिहार अभिलेखों में हरिश्चंद्र को विप्र हरिश्चंद्र कहा गया है अर्थात् ब्राह्मण माना गया है। हरिश्चंद्र वेदों का ज्ञाता तथा योग क्रिया में निपुण था। हरिश्चंद्र को रोहलिद्रि नामक उपाधि दी गयी थी।

346. गुर्जर-प्रतिहारों की राजधानी कौन सी थी?

(a) पी-लो-मो-लो (भीनमाल)
(b) बूढ़ा पुष्कर (अजमेर)
(c) मांडव्यपुर (जोधपुर
(d) जांगल (बीकानेर)

RPSC College Lecturer (Sanskrit Education) 2015

Ans. (a) : गुर्जर-प्रतिहारों की राजधानी पी-लो-मो-लो (भीनमाल) थी। सर्वप्रथम मंडोर, मेड़ता फिर उज्जैन तथा कन्नौज पर गुर्जर-प्रतिहार वंश का शासन स्थापित हुआ। चीनी यात्री ह्वेनसांग ने गुर्जर-प्रतिहारों की राजधानी का नाम पी-लो-मो-लो (भीनमाल) बताया। ग्वालियर अभिलेख के अनुसार प्रतिहारों को क्षत्रिय माना गया है।

347. निम्नलिखित में से किन अभिलेखों में प्रतिहारों को गुर्जर कहा गया है?

A. नीलगुण्ड B. देवली
C. राधनपुर D. कराड़

कूट :

(a) A,D (b) A,C,D
(c) A,B,C (d) A,B,C,D

RPSC School Lecturer-26-04-2017

Ans. (d) : नीलगुण्ड, देवली, राघनपुर, कराड़ आदि अभिलेखों में प्रतिहारों को गुर्जर कहा गया है। गुर्जर प्रतिहार वंश का सस्थापक हरिश्चन्द्र था, परन्तु वास्तविक महत्त्वपूर्ण शासक नागभट्ट प्रथम को माना जाता है।

348. गुर्जर प्रतिहार वंश के किस शासक ने अपनी राजधानी मण्डोर से मेड़ता स्थानान्तरित की थी-

(a) कक्कुक (b) रज्जिल
(c) नागभट्ट (d) बाँउक

पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड-III परीक्षा तिथि:19-09-2020
Puskalyadyaksh Grade III 2018 Exam-19.09.2020
RPSC School Lecturer Sanskrit Education 26.04.2017

Ans. (c) – गुर्जर प्रतिहार वंश के शासक नागभट्ट -I ने अपनी राजधानी मंडोर से मेड़ता, मेड़ता से भीनमाल और फिर उज्जैन को बनाया। चीनी यात्री ह्वेनसांग ने गुर्जर प्रतिहार राज्य की राजधानी भीनमाल को बनाया।

349. निम्नलिखित प्रतिहार शासकों में से किसने मण्डोर को बदलकर मेड़ता को राजधानी बनाया?

(a) हरिश्चन्द्र (b) नागभट्ट प्रथम
(c) वत्सराज (d) देव राज

कनिष्ठ अनुदेशक भर्ती परीक्षा-2018

Ans. (b) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

350. प्रतिहार वंश की मण्डोर शाखा के किस शासक ने अपनी राजधानी मण्डोर से मेड़ता स्थानान्तरित की थी?

(a) कक्कुक (b) रज्जिल
(c) नागभट्ट प्रथम (d) बॉउक

RPSC School Lecturer-26-04-2017

Ans. (c) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

351. किस प्रतिहार शासक ने ''आदिवराह'' की उपाधि धारण की?

(a) नागभट्ट–I (b) नागभट्ट–II
(c) वत्सराज (d) मिहिरभोज

Varisht Computer Anudeshak -19.06.2022

Ans. (d) : प्रतिहार वंश का वास्तविक संस्थापक मिहिरभोज को माना जाता है। मिहिर भोज विष्णु का भक्त था और उसने 'आदिवराह' की उपाधि धारण की थी। उसके कुछ सिक्कों पर आदिवराह शब्द अंकित है।

(g) जाट वंश

352. भरतपुर शहर की स्थापना की थी–

(a) राव प्रताप सिंह (b) राव बीकाजी
(c) महाराजा सूरजमल (d) राजा जनमेजय

स्टेनोग्राफर भर्ती परीक्षा-2019 (21 मार्च, 2021)
Head Cleark Combined Exam-2018

Ans. (c) : भरतपुर शहर की स्थापना 1733 ई. में महाराजा सूरजमल ने की थी। अपनी राजनैतिक कुशलता के कारण सूरजमल को 'जाट जाति का अफलातून' कहा जाता है। सूरजमल ने लोहागढ़ दुर्ग का निर्माण करवाया।

353. निम्नलिखित में से किस जिले में भीमलाट विजय स्तंभ स्थित है?

(a) भीलवाड़ा (b) भरतपुर
(c) बूंदी (d) बीकानेर

पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड-III परीक्षा तिथि:19-09-2020

Ans. (b) – भीमलाट विजय स्तम्भ भरतपुर के बयाना दुर्ग में लाल पत्थरों से निर्मित एक ऊँचा टावर है। भीमलाट का निर्माण जाट शासक महाराजा विष्णुवर्धन लाल बलुआ पत्थर से बनवाया था।

354. 'हुंजा' नामक घोड़ा किस राजा से संबंधित था?

(a) मेवाड़ के राणा प्रताप (b) बूंदी के उम्मेद सिंह
(c) आमेर के मानसिंह (d) मारवाड़ के मालदेव

कनिष्ठ अभियंता (कृषि) सीधी भर्ती परीक्षा-10.09.2022

Ans. (b) – 'हुंजा' नामक घोड़ा बूंदी के राजा उम्मेद सिंह का था। उम्मेद सिंह ने बूंदी के तारागढ़ किले में चित्रशाला का निर्माण करवाया। इसने अपने जीवन काल में स्वयं की सोने की मूर्ति बनवाकर उसका अंतिम संस्कार करवाया।

355. 'हुन्जा' नामक घोड़ा किसका था-

(a) मेवाड़ के राणा प्रताप का
(b) बूँदी के उम्मेद सिंह का
(c) आमेर के मानसिंह का
(d) मारवाड़ के मालदेव का

Investigator Exam Date- 21.08.2016

Ans. (b) – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

356. झाला जालिम सिंह के बारे में कौन सा कथन सही नहीं है -

(a) वह कोटा राज्य का शासक था।
(b) वह कोटा का फौजदार एवं महान् कूटनीतिज्ञ एवं राजनेता।